

錢鍾書集

# 管錐編

(二)

上卷

生活·讀書·新知 三聯書店

蘇子知學

PDG

**圖書在版編目(CIP)數據**

錢鍾書集(典藏本)/錢鍾書著. - 北京:生活·讀書·新知  
三聯書店, 2001. 1

ISBN 7-108-01491-2

I. 錢… II. 錢… III. 錢鍾書-文集 IV. C53

中國版本圖書館 CIP 數據核字(2000)第 70732 號



## 目 錄

### 老子王弼註一九則

|   |                      |    |
|---|----------------------|----|
| 一 | 老子王弼本 .....          | 3  |
|   | 龍興觀碑本                |    |
| 二 | 一章 .....             | 7  |
|   | “道”與“名”              |    |
| 三 | 二章 .....             | 19 |
|   | 神秘宗之見與蔽——正反依待        |    |
| 四 | 五章 .....             | 29 |
|   | “目的論”——“天地不仁”與“聖人不仁” |    |
| 五 | 七章 .....             | 36 |
|   | “後其身”、“外其身”          |    |
| 六 | 一一章 .....            | 39 |
|   | “無之以爲用”              |    |
| 七 | 一三章 .....            | 44 |
|   | 有身爲患                 |    |
| 八 | 一四章 .....            | 52 |
|   | “惚恍”                 |    |
| 九 | 一七章 .....            | 54 |
|   | “法自然”                |    |

|    |         |     |
|----|---------|-----|
| 一〇 | 二六章     | 62  |
|    | “重爲輕根”  |     |
| 一一 | 二八章     | 64  |
|    | 契合與授受   |     |
| 一二 | 三九章     | 66  |
|    | 分散督論    |     |
| 一三 | 四〇章     | 73  |
|    | “反者道之動” |     |
| 一四 | 四一章     | 80  |
|    | “大音希聲”  |     |
| 一五 | 四七章     | 82  |
|    | 在邇求遠    |     |
| 一六 | 五六章     | 87  |
|    | “知者不言”  |     |
| 一七 | 五八章     | 96  |
|    | 禍福倚伏    |     |
| 一八 | 七二章     | 99  |
|    | “不厭”    |     |
| 一九 | 七八章     | 105 |
|    | “正言若反”  |     |

### 列子張湛註九則

|   |        |     |
|---|--------|-----|
| 一 | 張湛註 列子 | 113 |
| 二 | 天瑞     | 118 |

|   |                                                        |     |
|---|--------------------------------------------------------|-----|
|   | “用之不勤”——“化者不能不化”——出機入機——同聲通假——無知而無不知——隨生隨死——“三樂”——“杞憂” |     |
| 三 | 黃帝 .....                                               | 130 |
|   | “神游”——“乘風而歸”——“遺其遺”——通感——“凝於神”——“好漚鳥”——看心——朝三暮四        |     |
| 四 | 周穆王 .....                                              | 145 |
|   | “化人”——夢——老役夫——鄭人——病忘——真妄是非之辨                           |     |
| 五 | 仲尼 .....                                               | 164 |
|   | 笑而不答——託爲孔贊佛老——分別法與揀擇見——“亡情不爲”——“人偶天地”                  |     |
| 六 | 湯問 .....                                               | 174 |
|   | 心手與物相應——機關木人——“無際”——“寶劍”                               |     |
| 七 | 力命 .....                                               | 183 |
|   | 力與命——槁木死灰——達觀                                          |     |
| 八 | 楊朱 .....                                               | 188 |
|   | “貴身而賤物”——“爲我”——“爲名”——“開口笑”——“養生”——昏黑沉酣宗——吝惜一毛          |     |
| 九 | 說符 .....                                               | 207 |
|   | “蘭子”——“頌盜”——楊布之狗——“天以萬物供人”——“乞兒不辱馬醫”                   |     |

## 焦氏易林三一則

|   |             |     |
|---|-------------|-----|
| 一 | 焦延壽易林 ..... | 219 |
|---|-------------|-----|

|    |                       |     |
|----|-----------------------|-----|
|    | 占卜書與四言詩範              |     |
| 二  | 乾 .....               | 228 |
|    | “胡言”——“縱火”與“牽尾”——擬人結眷 |     |
| 三  | 坤 .....               | 237 |
|    | 龍虎鬬——大獲盜妾             |     |
| 四  | 屯 .....               | 240 |
|    | 夾河爲婚——猿墮高木            |     |
| 五  | 蒙 .....               | 242 |
|    | 口飢于手——盲瞽相須——多夫與多婦     |     |
| 六  | 師 .....               | 247 |
|    | 殊類不相慕——憂思約帶——鴉鳴戒凶     |     |
| 七  | 比 .....               | 252 |
|    | 兩頭、無首與尾大              |     |
| 八  | 小畜 .....              | 256 |
|    | 緣木求魚                  |     |
| 九  | 泰 .....               | 258 |
|    | 求兔得獐——去龜附鵲            |     |
| 一〇 | 大有 .....              | 262 |
|    | 雷行相逐                  |     |
| 一一 | 謙 .....               | 264 |
|    | “憂來搔足”——“張弓祝雞”        |     |
| 一二 | 豫 .....               | 268 |
|    | 虎爲蜩伏——“忍醜少羞”          |     |
| 一三 | 蠱 .....               | 273 |
|    | “長舌亂家”                |     |

|    |                 |     |
|----|-----------------|-----|
| 一四 | 觀               | 274 |
|    | “去辛就夢”          |     |
| 一五 | 噬嗑              | 275 |
|    | 嫁貴得下            |     |
| 一六 | 賁               | 276 |
|    | “言如鼃咳”          |     |
| 一七 | 剝               | 278 |
|    | “獼猴冠帶”          |     |
| 一八 | 復               | 279 |
|    | 風吹雲散            |     |
| 一九 | 無妄              | 280 |
|    | 醜女無偶——羣羊攻虎與羣蛙請雨 |     |
| 二〇 | 大過              | 284 |
|    | “兩女同室”          |     |
| 二一 | 離               | 285 |
|    | “三狸搏鼠”          |     |
| 二二 | 恒               | 286 |
|    | “怨蝨燒被”          |     |
| 二三 | 大壯              | 287 |
|    | “窮鳥”            |     |
| 二四 | 解               | 291 |
|    | “談何容易”          |     |
| 二五 | 蹇               | 294 |
|    | “頭癢搔跟”          |     |
| 二六 | 益               | 296 |

|    |           |     |
|----|-----------|-----|
|    | “瓦罐終於井上破” |     |
| 二七 | 妬 .....   | 297 |
|    | “夢飯不飽”    |     |
| 二八 | 萃 .....   | 298 |
|    | “老狐多態”    |     |
| 二九 | 漸 .....   | 299 |
|    | 雉兔逃頭      |     |
| 三〇 | 兌 .....   | 301 |
|    | 符契        |     |
| 三一 | 未濟 .....  | 302 |
|    | 鷹搏兔       |     |

### 楚辭洪興祖補註一八則

|   |                                                     |     |
|---|-----------------------------------------------------|-----|
| 一 | 離騷經章句序 .....                                        | 305 |
|   | “離騷”                                                |     |
| 二 | 離騷 .....                                            | 312 |
|   | 庚寅——美人遲暮——落英——虛涵兩意——“浩蕩”——<br>前後失照——女嬃——“獨懷乎故宇”——蘭椒 |     |
| 三 | 九歌（一） .....                                         | 333 |
|   | 巫之一身二任                                              |     |
| 四 | 九歌（二） .....                                         | 336 |
|   | “與日月兮齊光”                                            |     |
| 五 | 九歌（三） .....                                         | 337 |
|   | 反經失常諸喻                                              |     |

|    |                                    |     |
|----|------------------------------------|-----|
| 六  | 九歌（四）                              | 345 |
|    | 司命                                 |     |
| 七  | 九歌（五）                              | 348 |
|    | “敵家”                               |     |
| 八  | 天問                                 | 349 |
|    | 《天問》題妙可以底詩——以問詰謀篇之詩——形與像           |     |
| 九  | 九章（一）                              | 358 |
|    | 寫景                                 |     |
| 一〇 | 九章（二）                              | 362 |
|    | 思與絲                                |     |
| 一一 | 九章（三）                              | 368 |
|    | “伯樂既沒驥焉程”                          |     |
| 一二 | 九章（四）                              | 370 |
|    | “因鳥致辭”                             |     |
| 一三 | 遠遊                                 | 374 |
|    | “哀人生之長勤”——美登仙——餐六氣——“傳道受道”——“虛以待之” |     |
| 一四 | 卜居                                 | 382 |
|    | “突梯”                               |     |
| 一五 | 九辯（一）                              | 383 |
|    | 賦秋色——“薄寒中人”                        |     |
| 一六 | 九辯（二）                              | 389 |
|    | 雨露不均                               |     |
| 一七 | 招魂                                 | 390 |
|    | 招生魂——“從目”——眼波——“大苦”入饌——“麗而         |     |

不奇”

- 一八 大招 ..... 398  
“微骨”、“曲眉”——“青色直眉”——《七發》類《招魂》、  
《大招》

### 太平廣記二一三則

- 一 太平廣記 ..... 403  
“廣記”——宋以來徵引此書
- 二 卷二 ..... 407  
彭祖
- 三 卷三 ..... 409  
道書謙稱
- 四 卷四 ..... 410  
月支獻猛獸
- 五 卷七 ..... 411  
天上樂不如人間——李八百
- 六 卷八 ..... 417  
雞犬升仙而貓不肯去——劉安踏石皆陷——謫守都廨——  
仙人試弟子
- 七 卷一〇 ..... 423  
“登時”
- 八 卷一二 ..... 425  
“肉人”
- 九 卷一三 ..... 427

|    |                 |     |
|----|-----------------|-----|
|    | 蛟龍爲津梁——解鳥語——“今” |     |
| 一〇 | 卷一六 .....       | 430 |
|    | 杜子春事數見          |     |
| 一一 | 卷一八 .....       | 431 |
|    | 小說中之談藝          |     |
| 一二 | 卷一九 .....       | 434 |
|    | 《李林甫》中一節重出      |     |
| 一三 | 卷二一 .....       | 435 |
|    | “堇樹”            |     |
| 一四 | 卷二三 .....       | 436 |
|    | 《張李二公》與《盧李二生》同  |     |
| 一五 | 卷三〇 .....       | 437 |
|    | 畏尚公主            |     |
| 一六 | 卷三三 .....       | 438 |
|    | 神仙惡作劇           |     |
| 一七 | 卷三七 .....       | 439 |
|    | “土饅頭”           |     |
| 一八 | 卷三八 .....       | 440 |
|    | 名同分異            |     |
| 一九 | 卷三九 .....       | 443 |
|    | 狗爲龍——王弼註書被譴     |     |
| 二〇 | 卷四〇 .....       | 446 |
|    | 避秦而不免禍          |     |
| 二一 | 卷五〇 .....       | 447 |
|    | 先唐鬼神作近體詩        |     |

|    |                      |     |
|----|----------------------|-----|
| 二二 | 卷五二 .....            | 450 |
|    | 神通                   |     |
| 二三 | 卷五三 .....            | 454 |
|    | 骨山淚海——童兒乃千歲人參        |     |
| 二四 | 卷五九 .....            | 457 |
|    | 母少女而子老翁——毛女事——女仙行逕披猖 |     |
| 二五 | 卷六二 .....            | 459 |
|    | 《白水素女》一事複出           |     |
| 二六 | 卷六五 .....            | 460 |
|    | 道士抑儒貶釋               |     |
| 二七 | 卷六八 .....            | 461 |
|    | 人間天上日月遲速不同           |     |
| 二八 | 卷六八 .....            | 471 |
|    | 封陟事                  |     |
| 二九 | 卷七一 .....            | 472 |
|    | 上天章被責                |     |
| 三〇 | 卷七四 .....            | 473 |
|    | 《俞叟》《石旻》並重出          |     |
| 三一 | 卷七五 .....            | 474 |
|    | “甞”                  |     |
| 三二 | 卷七七 .....            | 477 |
|    | 《羅思遠》《葉法善》並重出        |     |
| 三三 | 卷八〇 .....            | 478 |
|    | 代人旋溺                 |     |
| 三四 | 卷八一 .....            | 480 |

|    |                |     |
|----|----------------|-----|
|    | 碑誌虛文——烏銜寶出     |     |
| 三五 | 卷八二 .....      | 484 |
|    | 《管子文》編類誤       |     |
| 三六 | 卷八五 .....      | 485 |
|    | “鞋者諧也”         |     |
| 三七 | 卷八八 .....      | 487 |
|    | 噴酒滅火           |     |
| 三八 | 卷八九 .....      | 488 |
|    | 續師空織           |     |
| 三九 | 卷九〇 .....      | 491 |
|    | 寶誌等則編次不當       |     |
| 四〇 | 卷九一 .....      | 492 |
|    | 食筋事            |     |
| 四一 | 卷九四 .....      | 493 |
|    | 僧自健——玄覽題詩      |     |
| 四二 | 卷九六 .....      | 494 |
|    | 釋道欽語           |     |
| 四三 | 卷九八 .....      | 495 |
|    | 《李德裕》事重出——懷濬體詩 |     |
| 四四 | 卷九九 .....      | 496 |
|    | 僧不殺蚊蟲          |     |
| 四五 | 卷一〇〇 .....     | 500 |
|    | 吐佛地            |     |
| 四六 | 卷一〇一 .....     | 501 |
|    | 馬郎婦            |     |

|    |                                  |     |
|----|----------------------------------|-----|
| 四七 | 卷一〇二 .....                       | 503 |
|    | 文人入地獄                            |     |
| 四八 | 卷一一二 .....                       | 507 |
|    | 《多心經》                            |     |
| 四九 | 卷一二七 .....                       | 508 |
|    | 蘇娥事                              |     |
| 五〇 | 卷一二八 .....                       | 509 |
|    | 尼妙寂事                             |     |
| 五一 | 卷一三一 .....                       | 510 |
|    | 冀州小兒事                            |     |
| 五二 | 卷一三三 .....                       | 511 |
|    | 李詹事                              |     |
| 五三 | 卷一三五 .....                       | 512 |
|    | 註出處無定準——豎豹尾——《唐齊王元吉》與《唐高祖》<br>事同 |     |
| 五四 | 卷一三六 .....                       | 513 |
|    | 萬里橋事                             |     |
| 五五 | 卷一四〇 .....                       | 514 |
|    | 發石走妖                             |     |
| 五六 | 卷一四一 .....                       | 516 |
|    | 《王仲文》重出                          |     |
| 五七 | 卷一四六 .....                       | 517 |
|    | “官職由天上”                          |     |
| 五八 | 卷一四九 .....                       | 519 |
|    | 韓滉事                              |     |

|    |                        |     |
|----|------------------------|-----|
| 五九 | 卷一五三 .....             | 520 |
|    | “五般”                   |     |
| 六〇 | 卷一六三 .....             | 521 |
|    | 推背圖                    |     |
| 六一 | 卷一六四 .....             | 525 |
|    | 員半千事                   |     |
| 六二 | 卷一六六 .....             | 526 |
|    | “判合”                   |     |
| 六三 | 卷一六九 .....             | 528 |
|    | 贈刀贈帶——品藻人物——李勣選將——李嶠三戾 |     |
| 六四 | 卷一七〇 .....             | 531 |
|    | “死姚崇能算生張說”             |     |
| 六五 | 卷一七一 .....             | 532 |
|    | 女子哭夫事——寡婦告子不孝事         |     |
| 六六 | 卷一七三 .....             | 533 |
|    | “不恨我不見古人，恨古人不見我”       |     |
| 六七 | 卷一七五 .....             | 534 |
|    | 五官並用——“闌殫”             |     |
| 六八 | 卷一七六 .....             | 536 |
|    | 唾面自乾                   |     |
| 六九 | 卷一七七 .....             | 537 |
|    | 陸象先語——“笑中刀”            |     |
| 七〇 | 卷一八〇 .....             | 539 |
|    | 淪茗——頭巾上帖召租             |     |
| 七一 | 卷一八一 .....             | 540 |

|    |                |     |
|----|----------------|-----|
|    | “原夫之輩”——“東西二甲” |     |
| 七二 | 卷一八八 .....     | 543 |
|    | 《張易之》重出        |     |
| 七三 | 卷一九三 .....     | 544 |
|    | 結爲兄妹——繩技       |     |
| 七四 | 卷一九四 .....     | 547 |
|    | 崔慎思事——聶隱娘化蛾蝶   |     |
| 七五 | 卷一九五 .....     | 550 |
|    | 馮燕事            |     |
| 七六 | 卷一九七 .....     | 551 |
|    | 羚羊角碎佛齒——“無脂肥羊” |     |
| 七七 | 卷一九八 .....     | 553 |
|    | 張說論文           |     |
| 七八 | 卷二〇〇 .....     | 554 |
|    | “灰絮絮、竹筍筍”      |     |
| 七九 | 卷二〇一 .....     | 555 |
|    | 眼病專聽——顏真卿立碑    |     |
| 八〇 | 卷二〇二 .....     | 556 |
|    | 狂士訶《離騷》        |     |
| 八一 | 卷二〇三 .....     | 557 |
|    | 蔡邕事            |     |
| 八二 | 卷二〇四 .....     | 558 |
|    | 秦青、趙辟等事——李八郎   |     |
| 八三 | 卷二〇七 .....     | 559 |
|    | “筆塚”           |     |

|    |                             |     |
|----|-----------------------------|-----|
| 八四 | 卷二〇八 .....                  | 560 |
|    | 賺《蘭亭》                       |     |
| 八五 | 卷二〇九 .....                  | 562 |
|    | 以足代手                        |     |
| 八六 | 卷二一〇 .....                  | 564 |
|    | 以足畫像——繪畫亂真——傳神阿堵——妙畫通靈      |     |
| 八七 | 卷二一一 .....                  | 574 |
|    | 妙畫當良醫——金籠頭——畫奏樂止畫一聲         |     |
| 八八 | 卷二一三 .....                  | 577 |
|    | “意餘於象”                      |     |
| 八九 | 卷二一六 .....                  | 584 |
|    | “豕視”                        |     |
| 九〇 | 卷二一八 .....                  | 585 |
|    | “極怒始瘳”——“黃星”“丹點”——髮中虛——醫者意也 |     |
| 九一 | 卷二一九 .....                  | 589 |
|    | 醫運                          |     |
| 九二 | 卷二二一 .....                  | 590 |
|    | 袁天綱事                        |     |
| 九三 | 卷二二五 .....                  | 591 |
|    | 燕巧人事                        |     |
| 九四 | 卷二二六 .....                  | 592 |
|    | 殷文亮、楊務廉事                    |     |
| 九五 | 卷二二七 .....                  | 593 |
|    | 華清池事——“未教嚙鐵法”               |     |